Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya
(A Central University)
Sagar (M.P.)

Heartiest
Congratulations

Accredited by: NAAC

A+

4th Cycle

Prof. Neelima Gupta
Vice Chancellor
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya
Sagar (M.P.)

विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता की जय यात्रा का यह स्वर्णिम मंजिल है- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

उपलब्धि; डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को पहली बार मिला 'ए प्लस' ग्रेड

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए प्लस' ग्रेड प्रदान किया गया है. गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में पिछले माह 12 से 14 मई तक चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन संपन्न हुआ था. इसके पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था. 'ए प्लस' ग्रेड से अब विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करने की पात्रता हो जायेगी. इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को साझा करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है.

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कई नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का हमें लाभ मिला है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में हमें अच्छे अंक मिले हैं जिनके कारण हम उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हैं. इसके अलावा इको फ्रेंडली परिसर, प्रदूषण रहित कैम्पस का हरा-भरा वातावरण, एक्स्ट्राकरीकुलर गतिविधियाँ, छात्रों का संतोषजनक फीडबैक, अकादमिक साझेदारी, कंसल्टेंसी में हमने उत्तम प्रदर्शन किया है. विभिन्न शोध योजनाओं जैसे सैप, पर्स के तहत चल रही शोध गतिविधियाँ, शोध-पत्रों एवं शिक्षकों की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता आदि के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. उन्होंने कहा कि यह डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धि है. आज समस्त विश्वविद्यालय परिवार इस उपलब्धि का साक्षी बन रहा है. हम अपने इसी तरह के अकादमिक प्रदर्शन को निरंतर बनाए रखेंगे और आने वाले समय में हम सर्वोत्कृष्टता के परम लक्ष्य को हासिल करेंगे. उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं.

संकल्प-शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ.गौर के स्वप्नों में नये रंग भरेंगे: कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड

मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने

विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहाँ कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया

गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पी.एल. पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया।

प्रो. अंबिकदत्त शर्मा ने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों सम्बन्धी गतिविधियों और स्टूडेंट प्रोगेशन के डेटा को और अधिक समृद्ध और तार्किक बनाने का सुझाव दिया। प्रो. संजय जैन ने नैक द्वारा प्रदत्त ए प्लस पर संतोष व्यक्त करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय के पास पूरी क्षमता है कि हम आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला के ओपेन सेशन में प्रो. राजेश गौतम ने छात्रावास एवं शोध सम्बन्धी कार्यक्रमों को और अधिक संवादी और सहज बनाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंत में नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति महोदया का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ अभिनंदन किया गया एवं डॉ. राकेश सोनी ने निर्देशन में संगीत, योग और प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

गौर समाधि पर पहुंचकर नैक सदस्यों ने दी पुष्पांजलि, कुलपति ने गिनाईं उपलब्धियां

विवि पहुंची नैक टीम, पीपीटी प्रजेंटेशन देखा, भौतिक मूल्यांकन करने भी निकली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पहुंची नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिशन कौंसिल) की टीम ने निरीक्षण शुरू किया। नैक की पांच सदस्यीय टीम गौर समाधि पहुंची और विवि के संस्थापक डॉ.हरिसिंह गौर को पुष्पांजलि अर्पित कर निरीक्षण की शुरूआत की।

इस दौरान कुलपति ने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से विवि की शैक्षणिक, खेल एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। नैक सदस्यों ने सबसे पहले विभागवार प्रजेंटेशन देखा और फिर भौतिक निरीक्षण किया। नैक शैक्षिक प्रक्रियाओं और परिणामों, पाठ्यक्रम कवरेज, शिक्षण-शिक्षण प्रक्रियाओं, संकाय, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे, सीखने के संसाधनों, संगठन, शासन, वित्तीय भलाई से संबंधित अपने प्रदर्शन के संदर्भ में गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप संस्थानों का मूल्यांकन करता है।

शुक्रवार को नैक की टीम विवि के मूल्यांकन के लिए तीन दिवसीय दौरे पर सागर पहुंची। टीम में नैक चेयरमेन प्रो.मनोज कुमार धर, सदस्य सचिव प्रो.भगवान सिंह चौधरी, प्रो.मंजीत सिंह, सुबीर कुमार रॉय, प्रो.अंकुर सक्सेना शामिल रहे। नैक टीम के सदस्यों से मुलाकात कर कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों के साथ ही नवाचारों का पीपीटी प्रजेंटेशन दिया। इससे पहले आइक्युएसी (इंटरनल क्वालिंटी असोरेंस सेल) द्वारा टीम का स्वागत किया गया। टीम सदस्यों के समक्ष 12 विभागों द्वारा पीपीटी प्रजेंटेशन दिया गया।

जिसके बाद टीम भौतिक मूल्यांकन के लिए निकली। टीम ने विवि परिसर में इएमएमआरसी (एजुकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर) का निरीक्षण किया। यहां शैक्षणिक गतिविधियां, पाठ्यक्रम और शिक्षण के लिए मल्टीमीडिया के नवीन प्रयोगों की सराहना की। टीम 14 मई तक विवि परिसर में विभिन्न विभाग और केंद्रों का निरीक्षण व मूल्यांकन करेगी। पहले दिन नैक टीम के स्वागत में विवि परिसर में व्यापक तैयारियां की गई थीं।

विस्तृत खबरें पढ़ें
patrika.com

विश्वविद्यालय • 5 सदस्यीय टीम आई है मूल्यांकन करने, कल तक चलेगी टीम की विजिट

नैक टीम ने देखा विभागों का प्रजेंटेशन, मौके का मुआयना

भास्कर संवाददाता|सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में मूल्यांकन के लिए आई नैक की पीयर टीम ने शुक्रवार से अपना मूल्यांकन शुरू कर दिया है। टीम के सदस्य सबसे पहले गौर समाधि पहुंचे। जहां उन्होंने विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर, संस्थापक कुलाधिपति एवं पूर्व मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने टीम को डॉ. गौर से जुड़ी जानकारी दी। एनसीसी के कैडेट ने टीम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जबकि एनएसएस के स्वयंसेवकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया गया। इसके पहले बुंदेली परंपरा के अनुसार रमतूला बजाकर टीम का अभिवादन किया गया। इसके बाद मेन ऑफिस में टीम ने पीपीटी के माध्यम से प्रजेंटेशन देखा। सबसे पहले कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रजेंटेशन दिया।

उन्होंने विवि द्वारा किए जा रहे नवाचार, उपलब्धियों सहित अन्य विषयों पर प्रजेंटेशन दिया। इसके बाद आईक्यूएसी के सदस्यों ने अपना प्रजेंटेशन दिया। दोनों ही प्रजेंटेशन करीब एक-एक घंटे तक चले। पहले दिन जो शेड्यूल तय किया गया था, उसके मुताबिक तीन घंटे में 13 विभाग के अलावा 12 शाखाओं और केंद्रों का प्रजेंटेशन मेन ऑफिस के गौर समिति कक्ष में होना था। हालांकि 12 विभागों का प्रजेंटेशन ही हो सका। इसके बाद लंच हो गया। टीम के सदस्यों ने कहा अब वे बचे हुए विभागों में फिजिकल मूल्यांकन करने जाएंगे।

लंच के बाद टीम विश्वविद्यालय के ईएमएमआरसी भी पहुंची। यहां टीम के सदस्यों ने ईएमआरसी द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा और कार्यप्रणाली भी समझी। टीम के एक सदस्य ने कहा ईएमएमआरसी विश्वविद्यालय के लिए बहुत अच्छी सुविधा है। विशेषकर शिक्षकों के लिए। इसके माध्यम से डिजिटल कंटेंट क्रिएट किए जा सकते हैं। ईएमएमआरसी की व्यवस्था, सुविधाओं, काम और संसाधन पर टीम ने संतुष्टि जताई। लाइब्रेरी में गौर कक्ष, दुर्लभ पुस्तकों के साथ ही दिव्यांगों को दी जाने वाली सुविधाओं को भी देखा। नैक पीयर टीम के चेयरमैन जम्मू विवि के पूर्व कुलपति प्रो. प्रो. मनोज कुमार धार, मैंबर सेक्रेटरी प्रो. भगवान सिंह चौधरी, सदस्य प्रो. मंजीत सिंह, प्रो. सुबीर कुमार रॉय एवं प्रो. अंकुर सक्सेना शामिल हैं।

विवि में चल रहे शोध कार्यों के साथ विभागीय व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंची नैक की टीम

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद यानी नैक की पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार को दूसरे दिन विवि में चल रहे शोध कार्यों से लेकर विभागीय व्यवस्थाओं का बारीकि से अध्यन किया। टीम अपने निरीक्षण के बाद रिपोर्ट तैयार कर विवि को ग्रेड प्रदान करेगी, जिसके बाद विवि को मिलने वाली सुविधाओं में विस्तार होगा। मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय पहुंची टीम में अलग-अलग स्थानों के विषय विशेषज्ञ शामिल हैं, जिनके विवि में भ्रमण होने की अफसरों को तक जानकारी नहीं है। टीम अचानक किसी भी विभाग में पहुंचकर वहां का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी व शोध कार्यों पर चर्चा कर रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसके चलते विवि के सभी अधिकारी, कर्मचारी व छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी भी अलर्ट है। टीम फिलहाल विवि के विभिन्न विभागों का तीन दिन तक दौरा कर रही है, जिसके बाद वह अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही है। यह रिपोर्ट गोपनीय होती है, जिसकी विवि के किसी भी अधिकारी को जानकारी तक नहीं दी जा रही है।

साइंस, खेल और हास्टल में पहुंची टीम : टीम द्वारा अपने निरीक्षण के दौरान विवि के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके चलते शनिवार को टीम के साइंस, खेल विभाग और हास्टल में पहुंचने की सूचना मिली। यहां टीम द्वारा विवि के साइंस व अन्य विभागों में चल रहे शोध कार्यों व उनकी अहमियत पर मंथन किया। वहीं खेल विभाग में व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधा और विवि छात्रावासों में रहकर अध्यन करने वाले विद्यार्थियों से चर्चा कर यहां की सुविधाओं की जानकारी ली। इस संबंध में विद्यार्थियों के सुझावों से लेकर हास्टल की खासियत भी बताई जा रही है। हालांकि विवि प्रबंधन के अलावा शहरवासी भी नेक टीम द्वारा विवि को अच्छी रैंक मिलने सहयोग देने तैयार है।

विवि में नेक टीम के आगमन को लेकर विवि प्रशासन पिछले एक साल से लगातार तैयारियां कर रहा है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के निर्देश में नई शिक्षा नीति से लेकर एल्युमिनी मीट, दीक्षांत समारोह एवं सागर गौर महोत्सव से लेकर कई बड़े आयोजन किए गए हैं और कई विषयों की शुरुआत भी की गई है जिसके चलते नेक टीम द्वारा अच्छे अंक दिए जा सकते हैं। इसके अलावा विवि में लगातार शोध कार्यों में भी इजाफा हुआ है, जिसके चलते विवि द्वारा हालही में देश के टाप टेन केंद्रीय विवि की सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया है।

विवि प्रशासन ने भी नैक विजिट को लेकर तैयारी पूर कर ली है। विवि प्रशासन अब भी सफाई व्यवस्था से लेकर विवि के सभी विभागों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को बेहतर किया गया है और यहां से शिक्षकों से लेकर कर्मचारी व अधिकारी भी अपने-अपने विभाग को अच्छे नंबर दिलाने पूरी मेहनत कर रहे हैं। विवि की लाइब्रेरी के सामने विद्यार्थियों को बैठने के लिए नए शेड भी लगाए गए हैं। वहीं कई जगह मनमोहक सजावट भी की गई है ताकि विवि की रैंक के लिए सभी विभाग अपनी-अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन कर सके।

विवि : नैक की पीयर टीम वापस लौटी, बैठक में चर्चा के आधार पर अच्छी ग्रेड आने की उम्मीद

डॉ. गौर के प्रति सबके मन में सम्मान अच्छी बात, सुझावों पर अमल करें तो विवि और आगे बढ़ेगा : चेयरमैन

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में मूल्यांकन के लिए आई नैक की टीम 3 दिन की विजिट पूरी कर रविवार को लौट गई। टीम द्वारा अपनी रिपोर्ट ऑनलाइन सबमिट कर दी गई। इसके बाद विवि के अभिमंच सभागार में एक्जिट मीटिंग हुई। इसमें नैक टीम ने रिपोर्ट की एक कॉपी बंद लिफाफे में कुलपति को भी दी। हालांकि इस रिपोर्ट में ग्रेड नहीं रहती है, सिर्फ यह रहता है कि टीम ने जो मूल्यांकन किया, उसमें क्या पाया। फिलहाल यह रिपोर्ट तब तक लिफाफे में ही बंद रहेगी, जब तक नैक से विवि की नई ग्रेड को लेकर रिजल्ट जारी नहीं कर दिया जाता। विवि की नई ग्रेड घोषित होने में 15 से 20 दिन का समय लग सकता है। ऐसे में इस माह के आखिर तक ग्रेड घोषित होने का अनुमान है। एक्जिट मीटिंग में नैक पीयर टीम के चेयरमैन प्रो. मनोज कुमार धार ने कहा विवि में सबसे अच्छी बात यह है कि इसके संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के प्रति सभी के मन में सम्मान है। उन्होंने कहा हमने विजिट में पाया कि एक अच्छा समन्वय दिखा शिक्षकों के बीच में। जो नॉन टीचिंग स्टाफ है वह भी विवि हित में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। यदि विद्यार्थी नहीं है तो विश्वविद्यालय की कल्पना ही नहीं की जा सकती। विद्यार्थियों ने भी विवि हित को लेकर अच्छे सुझाव दिए हैं। हमने जो रिपोर्ट बनाई है, उसे हम नियमानुसार बता नहीं सकते। रिपोर्ट एप्रूव होने के बाद ही सार्वजनिक हो सकेगी। विवि में जहां अच्छा है, वो अच्छा है। जहां सुधार की गुंजाइश की दिखी, वहां टीम ने सुझाव दिए हैं। न कोई मनुष्य परफेक्ट होता है न ही कोई पशु। हमेशा सुधार गुंजाइश बनी रहती है। नैक टीम ने जो सुझाव दिए हैं तो उन पर अमल करें तो विवि और आगे जाएगा। संचालन प्रो. डीके नेमा ने किया। आभार प्रो. रणवीर कुमार ने माना। गौरतलब है कि वर्तमान में विवि नैक से ए-ग्रेड में है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार और अच्छी ग्रेड मिल सकती है। यानी ग्रेड बढ़ भी सकती है।

नैक टीम ने जो भी सुझाव दिए हैं, हम उन पर अमल करेंगे : कुलपति

स्वागत भाषण में विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा नैक टीम ने विवि की क्षमता, एक्टिविटीज आदि को लेकर तीन दिन में वह सबकुछ जान लिया, जो हम लोग सालों में भी नहीं जान सके। नैक टीम ने जो भी सुझाव दिए हैं, हम उन पर अमल करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारी, कर्मचारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा जो रिपोर्ट हमें मिली है, वह तब तक क्लोज ही रहेगी, जब तक रिजल्ट नहीं आ जाता।

मदर्स-डे मनाया, शिक्षक, शोधार्थी, कर्मचारियों से भी की चर्चा

विवि के डे-केयर सेंटर में नैक टीम की मौजूदगी में मदर्स-डे मनाया गया। टीम के चेयरमैन प्रो.मनोज कुमार धार ने साथियों सहित सेंटर का भ्रमण किया। नोडल अधिकारी प्रो. वर्षा शर्मा ने टीम द्वारा चाही गई जानकारी दी। बच्चों के आग्रह पर नैक टीम ने केक काटा। बच्चों ने स्वागत गीत गया। डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ. सुषमा यादव ने टीम का स्वागत किया। मदर्स-डे के कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि दिव्या डेंगरे और विवि की चिकित्सा अधिकारी डॉ.किरण माहेश्वरी थीं। टीम ने अंतिम दिन विवि के कर्मचारियों, शिक्षकों और शोधार्थियों से भी चर्चा की।

City भास्कर
bhaskarhindi.com
जबलपुर. शनिवार, 10 जून 2023. 5

...संकल्प शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ.गौर के स्वप्नों में नए रंग भरेंगे

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन के लिए तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुए आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं। आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है। बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहां कहीं भी कोई कुछ कमी रह गई है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोधए प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पीएल पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्रए प्लेसमेंट और स्टार्टअप संबंधित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुए इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया।प्रो. अंबिकदत्त शर्मा ने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों सम्बन्धी गतिविधियों और स्टूडेंट प्रोगेशन के डेटा को और अधिक समृद्ध और तार्किक बनाने का सुझाव दिया। प्रो. संजय जैन ने नैक द्वारा प्रदत्त ए प्लस पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पास पूरी क्षमता है कि हम आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला के ओपेन सेशन में प्रो. राजेश गौतम ने छात्रावास एवं शोध संबंधी कार्यक्रमों को और अधिक संवादी और सहज बनाने का सुझाव दिया।कार्यक्रम के अंत में नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति का शॉल श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ अभिनंदन किया गया। डॉ. राकेश सोनी ने निर्देशन में संगीत, योग और प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

उपलब्धि : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को पहली बार मिला ए प्लस ग्रेड

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् ने ए प्लस ग्रेड प्रदान किया है। ए प्लस ग्रेड से अब विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करने की पात्रता हो जाएगी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को साझा करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विवि को यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि विवि में क्रियान्वित कई

कुलपति ने ए प्लस ग्रेड मिलने पर अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। ● नवदुनिया

- विवि में क्रियान्वित नवाचारी कार्यों व गतिविधियों का मिला लाभ
- इन्फ्रास्ट्रक्चर और शोध के आधुनिक लैब में मिले अच्छे अंक

नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का हमें लाभ मिला है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में हमें अच्छे अंक मिले हैं जिनके कारण हम उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हैं। इसके अलावा इको फ्रेंडली परिसर, प्रदूषण रहित कैम्पस का हरा-भरा वातावरण, एक्स्ट्राकरीकुलर गतिविधियां, छात्रों का संतोषजनक फीडबैक, अकादमिक साझेदारी, कंसल्टेंसी में हमने उत्तम प्रदर्शन किया है। विभिन्न शोध योजनाओं जैसे सैप, पर्स के तहत चल रही शोध गतिविधियां, शोध-पत्रों एवं शिक्षकों की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता आदि के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

पिछली बार ए अब एक प्लस ग्रेड मिला: गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में पिछले माह 12 से 14 मई तक चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन संपन्न हुआ था। इसके पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था।

कुलपति ने कहा कि यह डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धि है।आज समस्त विश्वविद्यालय परिवार इस उपलब्धि का साक्षी बन रहा है। हम अपने इसी तरह के अकादमिक प्रदर्शन को निरंतर बनाए रखेंगे और आने वाले समय में हम सर्वोत्कृष्टता के परम लक्ष्य को हासिल करेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नैक मूल्यांकन में विवि को ए प्लस ग्रेड

नवभारत न्यूज

सागर 2 जून. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए प्लस' ग्रेड प्रदान किया गया है.

विश्वविद्यालय में पिछले माह चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन संपन्न हुआ था. इसके पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था. ए प्लस ग्रेड से अब विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करने की पात्रता हो जायेगी. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि में क्रियान्वित कई नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का हमें लाभ मिला है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में हमें अच्छे अंक मिले हैं जिनके कारण हम उत्कृष्ट विवि के रूप में स्थापित हैं.

नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को पहली बार मिला ए प्लस ग्रेड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉक्टर सर हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा ए प्लस ग्रेड दिया गया है। विश्वविद्यालय में पिछले माह 12 से 14 मई तक चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन हुआ था। पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था। यह पहली बार है कि जब विवि को ए प्लस ग्रेड मिला है। इसके बाद अब विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करने की पात्रता हो जाएगी।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कई नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का हमें लाभ मिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इन्फ्रास्ट्रक्, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में हमें अच्छे अंक मिले हैं।

जिनके कारण हम उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हैं। इसके अलावा इको फ्रेंडली परिसर, प्रदूषण रहित कैम्पस का हरा-भरा वातावरण, एक्स्ट्राकरीकुलर गतिविधियां, छात्रों का संतोषजनक फीडबैक, अकादमिक साझेदारी, कंसल्टेंसी में हमने बेहतर प्रदर्शन किया है। विभिन्न शोध योजनाओं जैसे सैप, पर्स के तहत चल रही शोध गतिविधियां, शोध-पत्रों एवं शिक्षकों की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता आदि के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि यह डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

दैनिक भास्कर सागर, शनिवार 03 जून, 2023

पहली बार ऐसी सफलता | 8 साल पहले नैक मूल्यांकन में ए ग्रेड मिली थी, इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने आधुनिक लैब और नए पाठ्यक्रम बढ़ाए

गौर विश्वविद्यालय को ए+ ग्रेड, क्योंकि यहां शोध बढ़े, प्रदूषण मुक्त कैंपस

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए प्लस ग्रेड मिला है। विवि को 4 में से 3.38 सीजीपीए यानी संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत मिला है। विश्वविद्यालय को 8 साल पहले ए ग्रेड हासिल हुआ था।

इस लिहाज से विश्वविद्यालय ने अपनी ग्रेडिंग में सुधार किया है। विश्वविद्यालय में 12 से 14 मई तक चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन संपन्न हुआ था। इसके पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था। विश्वविद्यालय को शोध, लीडरशिप, कोलेबरेशन, लीडरशिप, प्रदूषण मुक्त वातावरण के कैंपस, इंफ्रास्ट्रक्चर, करिकुलम पर ज्यादा अंक मिले हैं।

विशेष तौर पर एक तरफ जहां देश के अनेक संस्थान नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने पर काम कर रहे हैं, वहीं सागर विवि में यह लागू होकर एक सत्र की परीक्षा भी कराई जा चुकी है। यह भी विवि के पक्ष में गया। 'ए प्लस' ग्रेड से सागर विवि में भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करने की पात्रता हो जाएगी। विवि को फंडिंग भी बढ़ेगी। इसके साथ ही रिसर्च के नए प्रोजेक्ट मिल सकेंगे। ए प्लस ग्रेड होने से विद्यार्थियों की विवि में प्रवेश पाने की प्राथमिकताएं भी बढ़ेंगी।

देश के टाप विश्वविद्यालयों में सागर होगा शामिल, विद्यार्थियों का रुझान बढ़ेगा

नैक से ए प्लस ग्रेड मिलने के बाद विश्वविद्यालय अब देश के टॉप विश्वविद्यालयों में शामिल हो जाएगा। इसका असर कई स्तर पर सकारात्मक पड़ेगा। एक तरफ जहां विद्यार्थियों का रुझान यहां प्रवेश के लिए बढ़ेगा, वहीं नई व बड़ी शोध परियोजनाएं भी मिल सकेंगी। विशेषकर ऐसी योजनाएं जो सिर्फ ए प्लस ग्रेड में ही मिलती है, वे सभी अब विवि को मिल सकेंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के साथ ही भारत सरकार की उच्च शिक्षा से जुड़ी जितनी भी योजनाएं हैं, उन सभी में सागर विवि की हिस्सेदारी हो जाएगी। डिस्टेंस एजुकेशन के नए कोर्स शुरू हो सकेंगे। इसके लिए भी फंड मिलेगा। ऐसे में जो कोर्स पहले से बंद हो चुके हैं या जो चालू करने की योजना किसी कारण से अधर में थी, वह नए सिरे से आगे बढ़ सकेगी। डिस्टेंस एजुकेशन चालू होने से विद्यार्थियों को फायदा होगा। इसमें प्रवेश से विवि की भी आय बढ़ेगी।

दस्तावेजों का डेटा उपलब्ध, अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग सुधर सकेगी

नैक के लिए अनेक पैरामीटर और बिंदुओं पर जानकारी जुटाई गई। विवि प्रशासन के पास अब पूरे विभागों का डेटा है। इसमें विद्यार्थी-शिक्षकों की संख्या से लेकर शोध, पेपर और बुक पब्लिकेशन आदि की जानकारी है। इस आधार पर अब विवि आगामी समय में होने वाली नेशनल एनआईआरएफ यानी नेशनल इंस्टीट्यूट फ्रेमवर्क रैंकिंग, ब्रिक्स देशों की क्यूएस रैंकिंग आदि के लिए प्रमाणित और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर अपना आवेदन कर सकेगा। इससे रैंकिंग सुधर सकेगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का कहना है अब हमारा अगला लक्ष्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में सुधार और विवि को हर मापदंड पर आगे ले जाने का है। जो गौर साहब के सपनों को साकार करे।

विवि परिवार के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता से मिली उपलब्धिः कुलपति

नैक से ए-प्लस ग्रेड मिलते ही कुलपति प्रो. नीलिमा ने विवि परिवार के सदस्यों से चर्चा की। उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी और इसे सामूहिक मेहनत का रिजल्ट बताया। कुलपति ने कहा विवि परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कई नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का हमें लाभ मिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इंफ्रास्ट्रक्चर, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में हमें अच्छे अंक मिले हैं। जिनके कारण हम उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हैं।

आयोजन । स्वर्णजयंती सभागार में हुई एक दिवसीय कार्यशाला

संकल्प-शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ. गौर के स्वप्नों में नये रंग भरेंगे: कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के आईक्यूएसी के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी।

प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहाँ कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्व विद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्व विद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पी.एल. पुणताबेकर ने विश्व विद्यालय के पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया। प्रो. अंबिकदत्त शर्मा ने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों सम्बन्धी गतिविधियों और स्टूडेंट प्रोगेशन के डेटा को और अधिक समृद्ध और तार्किक बनाने का सुझाव दिया। प्रो. संजय जैन ने नैक द्वारा प्रदत्त ए प्लस पर संतोष व्यक्त करते हुये कहा कि विश्व विद्यालय के पास पूरी क्षमता है कि हम आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला के ओपेन सेशन में प्रो. राजेश गौतम ने छात्रावास एवं शोध सम्बन्धी कार्यक्रमों को और अधिक संवादी और सहज बनाने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम के अंत में नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति महोदया का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ अभिनंदन किया गया एवं डॉ. राकेश सोनी ने निर्देशन में संगीत, योग और प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी के परिश्रम से हमें ए प्लस ग्रेड मिला है : कुलपति

कार्यशाला ● चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन की तैयारी के संबंध में हुआ आयोजन

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के आइक्यूएसी के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन के लिए तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विवि को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुए आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी।

आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें : प्रो. अंबिकदत्त शर्मा ने विवि के विद्यार्थियों, सम्बन्धी गतिविधियों और स्टूडेंट प्रोगेशन के डेटा को और अधिक समृद्ध और तार्किक बनाने का सुझाव दिया। प्रो. संजय जैन ने नैक द्वारा प्रदत्त ए प्लस पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विवि के पास पूरी क्षमता है कि हम आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला के ओपेन सेशन में प्रो. राजेश गौतम ने छात्रावास एवं शोध सम्बन्धी कार्यक्रमों को और अधिक संवादी और सहज बनाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंत में नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर पूरे विवि परिवार की ओर से कुलपति का अभिनंदन किया गया। डा. राकेश सोनी ने निर्देशन में संगीत, योग और प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन आइक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने माना।

कार्यक्रम में विवि के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। ● नवदुनिया

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का अभिनंदन किया। ● नवदुनिया

आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा

प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विवि का आत्मबल बढा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहां कहीं भी कोई कुछ कमी रह गई है, उसमें सुधार कर हमे आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थामस ने कहा कि नैक मूल्यांकन में विवि के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पीएल पुंताबेकर ने विवि के पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुए इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया।

विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना हमारा लक्ष्य : प्रो. निलिमा

कुलपति का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न से अभिनंदन किया गया।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. सर हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्त्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चौथे चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन के लिए तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। हमें लगातार काम करते हुए आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। प्रो. नवीन कानगो ने कहा जहां कहीं भी कोई कुछ कमी रह गई है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने कहा अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विवि के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेंट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। प्रो. पीएल पुंताबेकर ने पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप संबंधित कार्ययोजनाओं को और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया। प्रो. अंबिकदत्त शर्मा ने विद्यार्थियों संबंधी गतिविधियों और समृद्ध व तार्किक बनाने का सुझाव दिया।

हमारा लक्ष्य विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है : कुलपति

सागर। स्वर्ण जयंती सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला हुई।

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चौथे चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला हुई। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चौथे चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है।

नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। हम नैक से ए प्लस के साथ राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है।

कार्यक्रम में प्रो. नवीन कानगो, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. पीएल पुणतांबेकर, प्रो. अंबिकादत्त शर्मा, प्रो. संजय जैन, प्रो. राजेश गौतम ने विचार रखे। नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर कुलपति का अभिनंदन किया गया। डॉ. राकेश सोनी के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। संचालन प्रो. दिनेश कुमार नेमा और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने माना।

संकल्प शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ. गौर के स्वप्नों में नए रंग भरेंगे: कुलपति

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्रके नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहां कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विवि द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो.पीएल पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्र प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया। कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारीए शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकल्प, शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ. गौर के स्वप्नों में नए रंग भरेंगे : कुलपति

प्रवेश संवाद **सागर.** डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन के लिए तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है।

संकल्प–शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ. गौर के स्वप्नों में नये रंग भरेंगे : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर(पदचाप)/डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।

कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी।

प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहाँ कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पी.एल. पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया।

प्रो.अंबिकदत्त शर्मा ने विश्वविद्यालय विद्यार्थियों सम्बन्धी गतिविधियों और स्टूडेंट प्रोगेशन के डेटा को और अधिक समृद्ध और तार्किक बनाने का सुझाव दिया। प्रो. संजय जैन ने नैक द्वारा प्रदत्त ए प्लस पर संतोष व्यक्त करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय के पास पूरी क्षमता है कि हम आगामी गतिविधियों में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला के ओपेन सेशन में प्रो. राजेश गौतम ने छात्रावास एवं शोध सम्बन्धी कार्यक्रमों को और अधिक संवादी और सहज बनाने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम के अंत में नैक मूल्यांकन में ए प्लस मिलने पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति महोदया का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ अभिनंदन किया गया एवं डॉ. राकेश सोनी ने निर्देशन में संगीत, योग और प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

संकल्प-शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ.गौर के स्वप्नों में नये रंग भरेंगे: कुलपति

सागर(एस.बी.न्यूज)। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्र के नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहाँ कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विश्वविदयालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो. पी.एल. पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्र, प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया।

कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.।

संकल्प शक्ति और सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ डॉ.गौर के स्वप्नों में नये रंग भरेंगे: कुलपति

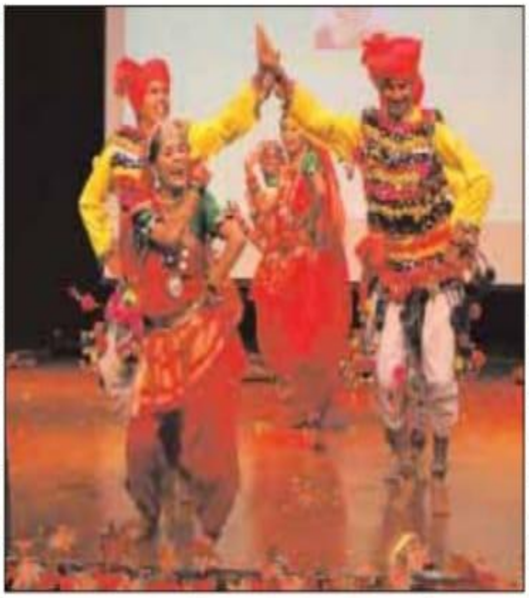

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के तत्वाधान में स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा चतुर्थ चक्र में हुए मूल्यांकन की समीक्षा और आगामी पांचवें चक्र के मूल्यांकन हेतु तैयारी के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हमारे विश्वविद्यालय को चतुर्थ चक्रके नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड मिला है। यह ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। आज की यह कार्यशाला अपनी सीमाओं और सामर्थ्य के नए सिरे से परीक्षण और अवलोकन का है। नैक द्वारा प्रदत्त ग्रेड की हमें खुशी तो है पर यह हमारी मंजिल नहीं है। हमारे विश्वविद्यालय को अभी और आगे जाना है। जैसे इस बार पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने एक साथ एक टीम के रूप में जैसे काम किया वैसे ही हमें लगातार काम करते हुये आगामी योजनाओं के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम ए प्लस के साथ तो राष्ट्रीय तो हो गए हैं, आगे हमारा लक्ष्य अपने विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। आपके पास इसके लिए आवश्यक क्षमता है, बस एक श्रेष्ठ संकल्प की जरूरत है। हमारे संस्थापक के प्रति यही हमारी सच्ची आदरांजलि होगी। प्रो. नवीन कानगो ने कहा कि ए प्लस ग्रेड से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का आत्मबल बढ़ा है। इसके बाद हमें अपनी तैयारी को और अधिक सुव्यवस्थित और तार्किक बनाना होगा। जहां कहीं भी कोई कुछ कमी रह गयी है, उसमें सुधार कर हमें आगे के लिए खुद को तैयार करना होगा। प्रो. हेरेल थॉमस ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय के शोध, प्रोजेक्ट और पेटेन्ट के क्षेत्र में विवि द्वारा अर्जित उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। जो हमारे लिए अत्यंत सुखद बात है। प्रो.पीएल पुंताबेकर ने विश्वविद्यालय के पुरा छात्र प्लेसमेंट और स्टार्टअप सम्बन्धित कार्ययोजनाओं को संतोषजनक बताते हुये इसे और अधिक समृद्ध करने पर बल दिया। कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने किया और आभार प्रो. रणवीर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान के साथ सभी अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर
असतो मा सद्गमय